the use of Polyurethane Foam (PUF) as insulating material in refrigerators is common the world over as this leads to saving of power consumption as much as 15 to 20%. Moreover, only very small quantities of Chloro-fluoro Carbons (CGCs) are used in the manufacture of PUF. The use of CFCs would be progresively phased out in accordance with the schedule fixed only after India becomes a signatory to the Montreal Protocol. The representation of the Glass Fibre Manufacturers Association has, therefore, been rejected.

Affairs of Bharat Brakes and Valves Limited, Calcutta

3905. SHRI SAMAR MUKHERJEE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the present difficulties being faced by the Bharat Braves and Valves Limited, Calcutta are due to mismanagement, lack of technological updatement etc.

(b) whether the Unions and Association of the Bharat Brakes and Valves Ltd. have recently submitted a memorandum and revival scheme to the Prime Minister and his Ministry;

(c) if so, the details of the said memorandum; and

(d) the action taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. K. THUNGON): (a) The present difficulties faced by Bharat Brakes and Valves Ltd. (BBVL) Calcutta, are due to low productivity, stiff competition from smaller manufacturers and cash crunch on account of selling price being practically static.

(b) to (d) A memorandum and revival schem submitted by theUnions and Association of Bharat Brakes and Valve Ltd., containing salient features like production and financial projections for the Eighth Plan period, reorganisation of manpower and introduction of new products etc., was received in March, 1992, and needs closer scrutiny.

उत्तर प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए आवेदन-पत्र

3906. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1989-90, 1990-91 और 1991-92 के दौरान उत्तर प्रदेश में उद्योगों के स्थापित किए जाने हेतु केन्द्रीय सरकार को कितने आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं ;

(ख) इनमें से कितने आवेदन पत्रों को स्वीकृति प्रदान की गई ;

(ग) शेष बचे आवेदन पत्रों के काफी लम्बे समय से लम्बित पड़े रहने के क्या कारण हैं ; और

(घ) लम्बित पड़े आवेदनपत्रों के शीघ्र निपटारे के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा अब तक क्या प्रयास किये गये हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० जे० कूरियन) : (क) और (ख) वित्तीय वर्ष 89-90, 90-91 तथा 91.92 (29-2-92 तक) के दौरान, उत्तर प्रदेश में औद्योगिक एकक स्थापित करने के वास्ते आशय पत्रों की मंजूरी के लिए कुल 1177 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनका वर्ष-वार ब्यौरा इस प्रकार है :-

1989-90 . .	542
1990-91 . .	510
1991-92 . .	125
कुल	1177

इनमें से, 265 अनुमोदित कर दिये गये हैं, 336 रद्द कर दिये गये हैं और 149 का अन्यथा निपटान किया गया है।

(ग) और (घ) औद्योगिक अनुमोदनों की मंजूरी के वास्ते आवेदनों के निपटान के लिए निर्धारित समय-सीमाएं हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन आवेदनों का इस समय-सीमा के भीतर निपटान कर दिया जाए, तकनीकी प्राधिकरणों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद सभी उपाय किये जाते हैं।